**भारत सरकार**

**गृह मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न संख्या 2937**

**दिनांक 21.03.2018/30 फाल्‍गुन, 1939 (शक) को उत्तर के लिए**

**भारत में अपराध संबंधी आंकड़े**

**2937. श्रीमती विजिला सत्यानंतः**

**क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

**(क) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय अपराध रिकॅार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा प्रस्तुत भारत में अपराध संबंधी आंकड़े भ्रामक हैं;**

**(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;**

**(ग) क्या यह भी सच है कि आबादी संबंधी पुराने और गलत आंकड़े तथा गुमराह करने वाले वर्गीकरण परिणामों को दुष्प्रभावित कर देते हैं; और**

**(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?**

**उत्तर**

**गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री हंसराज गंगाराम अहीर)**

**(क) और (ख): जी, नहीं। एनसीआरबी ने वर्ष 1983 में ‘भारत में अपराध’ शीर्षक से पहली रिपोर्ट प्रकाशित की तथा तब से एनसीआरबी द्वारा अपराध के आंकड़े निकालने की प्रक्रिया विधि नहीं बदली है। एनसीआरबी के संबंध में निर्धारित प्रपत्र में राज्‍यों/संघ राज्‍य क्षेत्रों की पुलिस विभागों द्वारा यथा पंजीकृत संज्ञेय अपराध वार्षिक आंकड़ा एकत्र करती हैं। राज्‍यों/संघ राज्‍य क्षेत्रों द्वारा दिए आंकड़ों को एनसीआरबी तत्‍पश्‍चात संकलित करती है तथा उसे रिपोर्ट के रूप में प्रकाशित करती है।**

**(ग) और (घ): एनसीआरबी, 2001 की जनगणना तथा 2026 तक अनुमानित जनसंख्‍या के आधार पर भारत के महापंजीयक द्वारा यथा जारी जनसंख्‍या आंकड़ों को लेती है। 2011 की जनगणना के आधार पर 2016 की अनुमानित जनसंख्‍या अभी तक आरजीआई द्वारा जारी नहीं की गई है।**

**\*\*\*\*\*\***